11/12/23

पाठ - 15 {कक्षाकार्य}

संधि

प्र० | उ०

प्र० (क) संधि की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

उ० :→ निकटवर्ती दो वर्णों के मेल से जो विकार होता है, उसे संधि कहते हैं।

जैसे :→ (1) हिम + आलय :→ हिमालय

(2) महा + ईश :→ महेश

प्र० (ख) संधि के कितने भेद ~~होते~~ होते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

उ० :→ संधि के भेद :→

(1) स्वर संधि :→ दो स्वरों के मेल से जो परिवर्तन होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं।

जैसे :→ (1) नर + ई ईश = नरेश

(2) व्यंजन संधि :→ ~~व्यन~~ व्यंजन का स्वर या व्यंजन से मेल होने पर जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

जैसे :→ (1) अच् + अंत = अजंत

विसर्ग संधि :→ विसर्ग के पश्चात स्वर या व्यंजन आने पर विसर्ग में जो परिवर्तन होता है, उसे विसर्ग संधि कहते है
जैसे :→ मन: + बल = मनोबल

प्र०-3 स्वर संधि के कितने भेद होते है?

उ०→ स्वर संधि के भेद :→

(क) दीर्घ संधि :→ अ + आ = आ
सूर्य + अस्त = सूर्यास्त
मुर + अरि = मुरारि

(ख) गुण संधि :→ अ + ऋ = अर्
देव + ऋषि = देवर्षि
सप्त + ऋषि = सप्तर्षि

(ग) वृद्धि संधि :→ अ / आ + औ / औं = औं
दंत + औष्ठ = दंतौष्ठ
महा + औषधि = महौषधि

(घ) यण् संधि :→ इ / ई = य्
इति + आदि = इत्यादि
अति + आचार = अत्याचार

(ङ.) अयादि संधि :→ ओ / औ + कोई भिन्न ~~स्व~~ | स्वर = अव / आव
जैसे भो + अन = भवन
भौ + उक = भावुक

प्र०-५ गुण संधि के दो-दो उदाहरण लिखिए |

उ०⇒ गुण संधि के दो उदाहरण :→

(क) अ + इ = ए
:→ ज्ञान + इंद्र = ज्ञानेंद्र
धर्म + ~~इद्र~~ इंद्र धर्मेंद्र

(ख) अ + ई = ए
:→ गण + ईश = गणेश
दिन + ईश = दिनेश

21/12